2. सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली

1. शासन के संघीय और एकात्मक स्वरूप में मुख्य अंतर क्या-क्या हैं? उदाहरणों से स्पष्ट करें।

उत्तर - किसी भी लोकतांत्रिक शासन को सत्ता के विभाजन के आधार पर दो भागों में बाँटा जाता है - संघात्मक शासन एवं एकात्मक शासन। दोनों प्रकार के शासनों में मुख्य अंतर निम्नांकित हैं।

(i) एकात्मक शासन में शक्तियों का विभाजन नहीं होता, सभी शक्तियाँ केंद्र के पास रहती हैं। इसके विपरीत, संघात्मक शासन में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है।

(ii) संघात्मक शासन में एक लिखित संविधान अवश्य होता है। परंतु, एकात्मक शासन के लिए यह आवश्यक नहीं है।

(iii) संघात्मक शासन में बहुधा दोहरी पहचान और निष्ठा होती है जबकि एकात्मक शासन में एकल ।

अमेरिका, भारत, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड संघात्मक शासन के उदाहरण हैं, जबकि ब्रिटेन, फ्रांस और श्रीलंका एकात्मक शासन के उदाहरण हैं।

2. सत्ता में साझेदारी से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - सत्ता में साझेदारी का अर्थ है- सरकारी क्रियाकलापों में भाग लेना तथा सरकार के निर्णयों एवं नीति-निर्माण में इस प्रक्रिया को जनता द्वारा प्रभावित किया जाना, ताकि नीतियाँ जनता की इच्छा के अनुरूप हों, नीतियों के क्रियान्वयन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो एवं शासन जनोन्मुखी, उत्तरदायी तथा जन-आकांक्षा से संचालित हो। इस तरह, सत्ता में जनता की भागीदारी के ये मुख्य पहलू हैं।

3. संघ राज्य किसे कहते हैं? अथवा, संघ राज्य का अर्थ बताएँ।

उत्तर - जब किसी देश में शासन संचालन के लिए दुहरे स्तर पर सरकार का गठन किया जाता है, तब वह संघ राज्य कहलाता है। संघ राज्य में सर्वोच्च स्तर पर केंद्र की सरकार होती है। राज्य संघ के अंग होते हैं जिनके शासन के संचालन के लिए राज्यों की सरकारें होती है। लिखित संविधान के द्वारा दोनों

स्तर की सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है। दोनों के कार्यक्षेत्र परिभाषित कर दिए जाते हैं।

4. ग्रामसभा के संगठन और कार्यों का वर्णन करें।

उत्तर - गाँव के सभी वयस्क नागरिक ग्रामसभा के सदस्य होते हैं। ग्रामसभा की बैठक समय-समय पर होती रहती है। बैठक की अध्यक्षता मुखिया करता है। इसके मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं।

(i) ग्राम से संबंधित विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करना

(ii) ग्राम के अंदर वयस्क शिक्षा के कार्यक्रम को सफल बनाना

(iii) परिवार कल्याण कार्यक्रम में योगदान देना

(iv) ग्रामीणों के बीच एकता और सौहार्द बढ़ाना

(v) स्वैच्छिक श्रमिकों का सहयोग प्राप्त करना

5. श्रीलंका की राष्ट्रीय एकता खतरे में क्यों रही है ?

उत्तर - श्रीलंका की राष्ट्रीय एकता के खतरे में रहने के निम्नांकित कारण रहे हैं।

(i) सत्ता की साझेदारी में बहुसंख्यकों को अल्पसंख्यकों की अपेक्षा अधिक प्रश्रय दिया गया है। श्रीलंका में सिंहली भाषा बोलनेवाले बहुसंख्यक हैं और तमिलभाषी अल्पसंख्यक ।

(ii) अल्पसंख्यक तमिलभाषियों के हितों को नजरअंदाज करने के कारण दोनों समुदायों के बीच निरंतर संघर्ष की स्थिति बनी रहती है।

(iii) अपनी संस्कृति और भाषा को बचाने तथा शिक्षा एवं रोजगार में समानता के अवसर के लिए ही श्रीलंका के तमिल सत्ता के संघीय ढाँचे की माँग करते रहे हैं।

6. सत्ता का विकेंद्रीकरण क्यों आवश्यक है?

उत्तर - सत्ता का विकेंद्रीकरण जनसमर्थन की कुंजी है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों के लिए यह एक आवश्यक शर्त है। सत्ता का विकेंद्रीकरण होने से अधिकाधिक लोगों की सना में सहभागिता बढ़ती है। ऐसा करने से जनता को यह भरोसा एवं विश्वास होता है कि प्रशासन उसकी सेवा के लिए सदैव तत्पर एवं प्रयत्नशील है। जहाँ या जिस देश में सना का एक ही केंद्र होगा उसे हम लोकतांत्रिक नहीं कह सकते। शासन को मुगमतापूर्वक तथा शांतिपूर्ण ढंग से चलाने के लिए सत्ता का विकेंद्रीकरण आवश्यक है। सत्ता का एक ही केंद्र रहने से प्रशासनिक कार्यों में विलंब तो होता ही है, साथ ही खर्च भी बढ़ जाता है। अतः, स्पष्ट है कि सत्ता का विकेंद्रीकरण आवश्यक है।

7. ग्राम कचहरी के गठन एवं शक्ति का वर्णन करें।

उत्तर - बिहार में पंचायत राज अधिनियम, 2006 के अनुसार, ग्राम कचहरी का गठन निर्वाचन द्वारा किया जाता है जिसमें एक निर्वाचित सरपंच और निश्चित संख्या में निर्वाचित पंच होते हैं। ग्राम कचहरी में भी आरक्षण का प्रावधान है। ग्राम कचहरी का प्रधान सरपंच होता है। ग्राम कचहरी का एक सचिव और एक न्यायमित्र होता है। जिनकी नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा होती है। इसको फौजदारी और दीवानी दोनों प्रकार के मुकदमों की सुनवाई करने का अधिकार है। ग्राम कचहरी को अधिकतम एक हजार रुपये तक जुर्माना करने का अधिकार है।

8. गुप्त मतदान पत्र क्या है?

उत्तर - मतदान पत्र वह दस्तावेज है जिससे मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। अगर इसे गुप्त रूप से व्यवहार में लाया जाए, तो इसे 'गुप्त मतदान पत्र' कहेंगे। इस प्रकार की पद्धति अपनाने से लाभ यह होता है कि किसी को यह पता नहीं चल पाता कि किसने किसके पक्ष में मतदान किया।

9. पंचायती राज के मुख्य उद्देश्यों का उल्लेख करें।

उत्तर - पंचायती राज के निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य हैं।

(i) ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय संस्थाओं को वास्तविक शक्तियाँ सौंपकर लोकतंत्र का आधार मजबूत करना

(ii) स्थानीय मामलों के कार्यों में ग्रामीणों की अधिक साझेदारी

सुनिश्चित करना

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध मानव तथा अन्य संसाधनों का सही उपयोग करना

(iv) ग्रामीणों के बीच आत्मनिर्भरता एवं सामुदायिक भावना विकसित करना

(v) ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक विकास योजनाओं को मूर्तरूप देना

(vi) ग्रामीण क्षेत्रों के कमजोर वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ना, अर्थात ग्रामीण विकास की योजनाओं में हाथ बँटाने का अवसर देना

10. 1993 के संविधान संशोधन के पहले और बाद के स्थानीय स्वशासन में दो महत्त्वपूर्ण अंतर बताएँ ।

उत्तर - (i) 1993 के 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के पूर्व स्थानीय स्वशासन को । सांविधानिक मान्यता प्राप्त नहीं थी, परंतु संशोधन के बाद इसे सांविधानिक मान्यता प्राप्त हो गई।

(ii) संशोधन के पूर्व स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण प्राप्त नहीं था, परंतु संशोधन के बाद उन्हें आरक्षण प्राप्त हो गया।

11. भारत की संघीय शासन व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक व्यवस्था तथा उससे अलग एक विशेषता बताएँ।

उत्तर - भारत की संघीय शासन व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक प्रधान विशेषता यह है कि दोनों ही मुल्कों में केंद्र एवं उसकी इकाइयों के अधिकार क्षेत्र विभाजित हैं। भारत में बेल्जियम से भिन्न एक विशेषता यह है कि यहाँ भाषा एवं संस्कृति के आधार पर सांप्रदायिक सरकार की स्थापना नहीं की गई है।

12. भारत की संघीय पद्धति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - संविधान द्वारा भारत में संघात्मक शासन की व्यवस्था की गई है। केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों के विभाजन के लिए तीन सूचियाँ तैयार की गई हैं- संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। दोनों सरकारों के अधिकार-संबंधी मतभेद को दूर करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई है। संविधान में 'संघ' शब्द का प्रयोग न कर, 'यूनियन' शब्द का प्रयोग किया गया है। अवशिष्ट अधिकार केंद्र को दिए गए हैं। समस्त देश के लिए एक ही नागरिकता रखी गई है। राज्यों को अपना संविधान बनाने का अधिकार नहीं है। विशेष परिस्थितियों में राज्य की सारी शक्तियाँ केंद्र में निहित की जा सकती हैं।

13. संघीय सरकार के विभिन्न तत्त्वों का वर्णन करें।

उत्तर - संघीय सरकार के आवश्यक तत्त्व निम्नलिखित हैं।

(i) लिखित संविधान - लिखित संविधान से केंद्र और राज्य सरकारों का कार्यक्षेत्र स्पष्ट रहता है।

(ii) कठोर संविधान – कठोर संविधान होने से कोई सरकार अपने हित में सरलता से इसमें संशोधन नहीं कर सकती है।

(iii) संविधान की सर्वोच्चता-संविधान की सर्वोच्चता से संघीय पद्धति की रक्षा होती है, क्योंकि संविधान का उसपर अंकुश बना रहता है।

(iv) शक्तियों का विभाजन - संघीय सरकार में संविधान द्वारा ही केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है।

(v) स्वतंत्र न्यायपालिका - संघीय सरकार में न्यायपालिका ही संविधान का संरक्षक होती है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सांविधानिक विवादों का निपटारा नही करती है।

14. भारतीय संघीय व्यवस्था की मुख्य विशेषताओं का विवेचन करें।

उत्तर - भारतीय संघीय व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

(i) यहाँ शक्तिशाली केंद्रीय सरकार की स्थापना की गई है।

(ii) संघ सरकार को अत्यधिक अधिकार दिए गए हैं। संविधान में शासन के सभी विषयों को तीन सूचियों में विभक्त किया गया है- संघ सूची (इसमें 97 विषय हैं जो संघ सरकार के अंतर्गत हैं), राज्य सूची (इसमें 66 विषय हैं जो राज्य सरकार के अंतर्गत हैं) और समवर्ती सूची (इसमें 47 विषय हैं जिनपर संघ सरकार की प्राथमिकता और प्रधानता स्वीकार की गई है)। अवशिष्ट अधिकार भी संघ सरकार को ही दिया गया है।

(iii) विशेष परिस्थितियों में राज्य सरकार की सारी शक्तियाँ संघ सरकार ले सकती हैं।

15. भारत में केंद्र और राज्य में कौन अधिक शक्तिशाली है ? तर्क देकर अपने उत्तर की पुष्टि करें।

उत्तर - भारत में संघात्मक सरकार है, परंतु केंद्र सरकार को ही अधिक शक्तिशाली बनाया गया है। कानून बनाने के विषयों को तीन सूचियों में बाँट दिया गया है. - संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। समवर्ती सूची पर केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को कानून बनाने का अधिकार है, परंतु एक ही विषय पर दोनों सरकारों द्वारा कानून बन जाने पर केंद्र सरकार के कानून को ही मान्यता दी जाती है। तीन सूचियों में से बचे विषयों पर भी केंद्र सरकार ही कानून बनाती है। अनेक परिस्थितियों में राज्य सूची पर भी केंद्र सरकार कानून बना सकती है। संकटकाल की स्थिति में केंद्र सरकार और शक्तिशाली हो जाती है। राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है और वह केंद्र सरकार के अभिकर्ता के रूप में काम करता है। इस तरह, केंद्र अधिक शक्तिशाली है।

16. गठबंधन की सरकारों में साझेदार कौन-कौन होते हैं?

उत्तर - भारत के वर्तमान युग को गठबंधन की सरकारों के युग की संज्ञा दी जाती है। यहाँ संसदीय शासन व्यवस्था स्थापित की गई है। केंद्र के स्तर पर लोकसभा में बहुमत प्राप्त दल को सरकार बनाने का अवसर मिलता है। यही बात प्रांतों के साथ भी लागू होती है। निर्वाचन के उपरांत बहुमत के आधार पर गठित सरकार तभी तक टिक पाती है जब तक उसे लोकसभा या विधानसभा में बहुमत प्राप्त रहना है।

1967 तक प्रांतों तथा केंद्र में काँग्रेस को बहुमत प्राप्त रहा। परंतु, इसके उपरांत केंद्र और प्रांतों में सरकार बनाने के लिए कई दलों के सहयोग से बहुमत जुटाने के युग का प्रारंभ हुआ जिसे गठबंधन की

सरकार की संज्ञा दी गई। गठबंधन में कई राजनीतिक दल सम्मिलित होते हैं। निर्दलीय भी गठबंधन में साझेदार होते हैं।

17. भारत में सरकार के विभिन्न अंगों में सत्ता का विभाजन किस प्रकार किया गया है ?

उत्तर - भारत में सरकार के तीन अंग हैं जिनके बीच सत्ता का बँटवारा कर दिया गया है। विधायिका का कार्य कानून बनाना है। कार्यपालिका का काम कानून को लागू करना है और न्यायपालिका का काम यह देखना है कि शासन कानून के अनुसार चल रहा है अथवा नहीं। यह भी व्यवस्था की गई है कि कोई अंग अपने अधिकार का दुरुपयोग नहीं करे। प्रत्येक अंग इसी उद्देश्य से एक-दूसरे पर अंकुश रखते हैं। कार्यपालिका विधायिका के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है। कार्यपालिका विधायिका के सामने विधेयक उपस्थित करती है। न्यायपालिका विधायिका के बने कानून को असंविधानिक घोषित करने का अधिकार रखती है। स्पष्ट है कि सत्ता के विभाजन के साथ-साथ नियंत्रण एवं संतुलन की भी व्यवस्था की गई है।

18. सत्ता में साझेदारी की मुख्य आवश्यकताओं का उल्लेख करें।

उत्तर - सत्ता में साझेदारी की मुख्य आवश्यकताएँ निम्नलिखित हैं।

(i) इससे राजनीतिक व्यवस्था में स्थायित्व आता है।

(ii) जनसमर्थन जुटाने के लिए भी सत्ता में साझेदारी की आवश्यकता पड़ती है। अधिक-से-अधिक लोगों तथा समूहों को शासन व्यवस्था से जोड़कर लोकतंत्र की जड़ें मजबूत की जाती हैं।

(iii) राज्य के मामलों में अधिकाधिक लोगों की रुचि बढ़ाने के लिए भी सत्ता में साझेदारी आवश्यक है।

(iv) राज्य में क्रांति तथा आपसी टकराव कम करने के लिए भी इसकी आवश्यकता होती है।

19. सत्ता में साझेदारी का क्या अर्थ है? इसकी एक अच्छी परिभाषा दें।

उत्तर - सत्ता में साझेदारी को लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक आवश्यक और महत्त्वपूर्ण आधार माना गया है। आज का युग सत्ता के विकेंद्रीकरण का है। यह तभी संभव है जब सत्ता में अधिक – से - अधिक

लोगों की साझेदारी सुनिश्चित हो । नागरिकों द्वारा सरकारी कामकाज में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने की क्रिया को सत्ता में साझेदारी की संज्ञा दी जाती है। इसकी एक अच्छी परिभाषा है- "राज्य के नागरिकों द्वारा सरकारी स्तर पर निर्णय लेने या निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया को प्रभावित करना सत्ता में साझेदारी है।"

20. संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका की क्या भूमिका होती है?

उत्तर - संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका बड़ी महत्त्वपूर्ण होती है। संघीय शासन व्यवस्था में सत्ता के शीर्ष पर एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायालय की स्थापना की जाती है, जो विधायिका एवं कार्यपालिका से स्वतंत्र होती है। यही केंद्र एवं राज्य तथा राज्यों के मध्य होनेवाले विवादों तथा उनके मध्य अधिकार-संबंधी मतभेदों का निबटारा करती है। इसी हेतु भारत में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई है। अतः, स्पष्ट है कि संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है।

सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली

1. बेल्जियम में सत्ता में साझेदारी के लिए संविधान में किए गए किन्हीं चार संशोधनों का वर्णन करें।

उत्तर - सत्ता में साझेदारी के लिए अलग-अलग लोकतांत्रिक राज्यों में अलग-अलग तरीके अपनाए जाते रहे हैं। यूरोप के एक छोटे-से लोकतांत्रिक देश बेल्जियम में सत्ता में साझेदारी के प्रश्न को सहज ढंग से सुलझा लिया गया। इस उद्देश्य से बेल्जियम के संविधान में कुछ संशोधन कर दिए गए हैं, जिनमें मुख्य चार निम्नांकित हैं।

(i) संविधान में इस बात का प्रावधान कर दिया गया कि बेल्जियम के डचभाषी एवं फ्रेंचभाषी मंत्रियों की संख्या केंद्र सरकार में बराबर होगी। कुछ विशेष कानून तभी बन सकते हैं जब दोनों भाषाई समूह के सांसदों का बहुमत उनके पक्ष में हो।

(ii) संघीय व्यवस्था को ही संविधान में अपनाया गया है। संविधान में इस बात को स्पष्ट कर दिया गया है कि राज्य सरकारों की केंद्रीय सरकार की अपेक्षा सत्ता में अधिक साझेदारी होगी। स्पष्ट है कि राज्य सरकारें केंद्रीय सरकार के अधीन नहीं हैं।

(iii) संविधान द्वारा बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स में एक अलग सरकार गठित की गई है। ब्रूसेल्स में फ्रेंचभाषी के बहुसंख्यक होने के बावजूद केंद्र सरकार की तरह ब्रूसेल्स की सरकार में भी समानता के सिद्धांत को अपनाया गया

(iv) सत्ता में साझेदारी को और भी व्यापक बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार, राज्य सरकार और राजधानी की सरकार के अतिरिक्त एक सामुदायिक सरकार के गठन की भी व्यवस्था की गई है जो संस्कृति, शिक्षा और भाषा के मामले में निर्णय लेती है। अलग-अलग भाषा बोलनेवालों को अपनी सामुदायिक सरकार बनाने का अधिकार दिया गया है, चाहे वे देश के किसी भी भाग में निवास करते हों।

2. सत्ता में साझेदारी के चार रूपों या तरीकों का वर्णन करें।

उत्तर - आधुनिक लोकतांत्रिक युग में प्रत्येक शासक की यह कोशिश होती है कि राजनीतिक सत्ता में अधिक-से-अधिक लोगों की साझेदारी सुनिश्चित की जाए ताकि शासन को स्थायी और टिकाऊ बनाया जा सके। वर्तमान लोकतांत्रिक युग में सत्ता में साझेदारी के निम्नलिखित चार रूप देखने को मिलते हैं।

(i) सरकार के विभिन्न अंगों के मध्य सत्ता का विभाजन- -सामान्यतः, सरकार के तीन अंग होते हैं- (a) विधायिका, (b) कार्यपालिका और (c) न्यायपालिका। जब सत्ता को किसी एक अंग में केंद्रित नहीं करके सरकार के तीनों अंगों के बीच स्पष्ट विभाजन अथवा सीमांकन कर दिया जाता है, तो उसे शक्तियों का पृथक्करण कहा जाता है। ऐसा करने से किसी एक अंग के द्वारा शक्ति के दुरुपयोग की संभावना कम होती है।

(ii) विभिन्न स्तरों पर गठित सरकारों के बीच सत्ता का विभाजन - सुविधा हेतु शासन व्यवस्था को तीन स्तरों पर विभाजित कर दिया जाता है- राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार, प्रांतीय स्तर पर राज्य सरकार तथा निम्नतम स्तर पर स्थानीय सरकार। भारतीय संविधान द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता का स्पष्ट विभाजन कर दिया गया है। इसी उद्देश्य से तीन सूचियाँ बनाई गई हैं- (a) संघ सूची, (b) राज्य सूची और (c) समवर्ती सूची। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद्, नगर पंचायत, नगर परिषद् एवं नगर निगमों की व्यवस्था की गई है।

(iii) विभिन्न समुदायों के बीच सत्ता का विभाजन - प्रत्येक लोकतांत्रिक देश -प्रायः, में अनेक जाति, धर्म, भाषा के लोग रहते हैं। ऐसे देशों में सत्ता का बँटवारा इस प्रकार किया जाता है कि अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समुदाय दोनों की सत्ता में साझेदारी हो सके। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच एकता कायम रह सके।

(iv) गैर-सरकारी संस्थाओं में सत्ता का विभाजन - प्रायः, प्रत्येक लोकतांत्रिक देश में गैर-सरकारी संस्थाएँ भी सत्ता में साझेदारी के लिए प्रयत्नशील रहती हैं। विभिन्न हित- समूह, दबाव समूह, संघ, संगठन इत्यादि इसके उदाहरण हैं। ये सत्ता में साझेदारी के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

3. त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था से आप क्या समझते हैं? बिहार में इसका क्या स्वरूप है ?

उत्तर - अथवा, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के संबंध में 'बलवंत राय मेहता समिति' के सुझावों का उल्लेख करें। प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण के सिद्धांत को ही मूर्तरूप देने के लिए भारत में 'पंचायती राज' की स्थापना की गई है। भारत में 'पंचायती राज' की स्थापना के उद्देश्य से ही भारत सरकार ने बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में एक कमिटी की नियुक्ति की थी। इस कमिटी ने निम्नलिखित सुझाव दिए ।

(i) सरकार को अपने कुछ कार्यों और उत्तरदायित्वों से मुक्त जाना चाहिए और उन्हें एक ऐसी संस्था को सौंप देना चाहिए, जिसके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत विकास के सभी कार्यों की पूरी जिम्मेदारी रहे। सरकार सिर्फ इन संस्थाओं का पथप्रदर्शन और निरीक्षण करती रहे। सरकार को चाहिए कि वह अपने कार्यक्षेत्र को उच्च कोटि की योजनाओं तक ही सीमित रखे।

(ii) लोकतंत्र की आधारशिला को मजबूत बनाने के लिए राज्यों की उच्चतर इकाइयों (जैसे- प्रखंड, जिला) से ग्राम पंचायतों का अटूट संबंध हो । अतएव, प्रखंड और जिले में भी पंचायती राज व्यवस्था को अपनाना आवश्यक है।

(iii) प्रखंड स्तर पर एक निर्वाचित स्वायत्त शासन की संस्था की स्थापना की जाए जिसका नाम पंचायत समिति रखा जाए। इस पंचायत समिति का संगठन ग्राम पंचायतों द्वारा हो ।

(iv) जिला स्तर पर एक निर्वाचित स्वायत्त शासन की संस्था की स्थापना की जाए जिसका नाम जिला परिषद् रखा जाए। इस जिला परिषद् का संगठन पंचायत समितियों द्वारा हो ।

बिहार में भी त्रिस्तरीय पंचायती राज की स्थापना हो चुकी है। इसके लिए बिहार में 2006 में पंचायत राज अधिनियम पारित हुआ। वर्तमान में इस अधिनियम के अनुसार ही बिहार में ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, प्रखंड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद् का गठन किया गया है।

4. नगर पंचायत क्या है ?

उत्तर - ग्रामीण क्षेत्र और नगर क्षेत्र के बीच की श्रेणी में आनेवाले क्षेत्र के लिए नगर पंचायत के गठन का प्रावधान किया गया है। 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के अंतर्गत नगर पंचायतों को स्थापित करने का अधिकार राज्य सरकार को दिया गया है। बिहार सरकार ने बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 पारित कर नगर पंचायतों के गठन की व्यवस्था की है। इस अधिनियम के अनुसार, जिस शहर की जनसंख्या 12,000 से 40,000 के बीच हो तथा उस शहर के वयस्कों की तीन-चौथाई जनसंख्या कृषि से भिन्न कार्य में लगी हो, वहाँ नगर पंचायत की स्थापना की जाती है। नगर पंचायत के सदस्यों की न्यूनतम संख्या 10 और अधिकतम 25 हो सकती है। वार्डों के मतदाता प्रत्यक्ष ढंग से नगर पंचायत के सदस्यों का निर्वाचन पाँच वर्षों के लिए करते हैं। इसके निर्वाचित सदस्य अपने बीच से एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष को चुनते हैं। पंचायतों की भाँति नगर पंचायतों में भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग तथा महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है।

अपने क्षेत्र के आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए योजना तैयार करना, सड़कों और पुलों का निर्माण, जलापूर्ति, सफाई, जनस्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जन्म-मृत्यु का निबंधन, कब्रगाहों और श्मशानों का रख-रखाव, प्रकाश की व्यवस्था, पार्क तथा अन्य सार्वजनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर पंचायत के मुख्य कार्य हैं।

5. नगर परिषद् के कार्यों का वर्णन करें।

उत्तर - नगर परिषद् के 11 अनिवार्य एवं 6 ऐच्छिक कार्य हैं।

अनिवार्य कार्य - (i) नगर की सफाई, (ii) रोशनी का प्रबंध, (iii) पीने के पानी की व्यवस्था, (iv) सड़क निर्माण एवं मरम्मत, (v) नालियों की सफाई, (vi) प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना, (vii)

महामारी से बचाव एवं टीका लगवाने का प्रबंध, (viii) अस्पताल खोलना, (ix) आग से सुरक्षा, (x) श्मशान घाट का प्रबंध और (xi) जन्म-मृत्यु का निबंधन

ऐच्छिक कार्य - (i) पर्यावरण सुरक्षा, (ii) गली-नाली का निर्माण, (iii) बसने योग्य भूमि का विकास, (iv) गरीबों के लिए गृह-निर्माण, (v) बिजली का प्रबंध एवं (vi) प्रदर्शनी लगाना

6. पंचायती राज प्रणाली क्या है? ग्राम पंचायत को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आपके क्या सुझाव हो सकते हैं ?

उत्तर - भारतीय संविधान द्वारा एक लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य एक निःस्वार्थ माता की तरह जनता की भलाई करना है। इस उद्देश्य से सरकार समाजवादी समाज की व्यवस्था कायम करके जनता के जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास कर रही है। अतः, राज्य के कार्यों में अत्यधिक वृद्धि हो गई है। सरकार विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनेक विकास कार्य चला रही है। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में इसी कारण योजनाओं का सृजन प्रशासन के उच्चतम स्तर द्वारा किया जाता है, परंतु उसे कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी जनता या उसके प्रतिनिधियों के ऊपर सौंपी जाती है। इस प्रकार, विकेंद्रीकरण का सिद्धांत अपनाया जाता है। इसी को प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण कहा जाता है। इसे मूर्तरूप देने के लिए ही भारत में पंचायती राज प्रणाली शुरू की गई है। इस उद्देश्य से संविधान में 73वाँ संशोधन किया गया। इस संशोधन में कहा गया है कि ग्राम स्तर, मध्य स्तर (प्रखंड) तथा जिला स्तर पर पंचायतों का गठन किया जाएगा। प्रायः सभी राज्यों में इसका गठन हो चुका है।

ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायतों का गठन किया गया है। पंचायती राज की यह सबसे बुनियादी संस्था है जिसे अधिक उपयोगी बनाकर ही पंचायती राज को सफल बनाया जा सकता है। इसे 'लोकतंत्र की पाठशाला' मानकर जनता में लोकतांत्रिक जागरूकता लाई जा सकती है। जनता को शासन के संचालन का प्रशिक्षण यहीं प्राप्त हो सकता है। और सरकारी कार्यों में उसकी दिलचस्पी बढ़ सकती है। अतः, ग्राम पंचायतों को और अधिक अधिकार देकर इसे अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। जनता को भी ग्राम पंचायत के सदस्यों और मुखिया को चुनते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता है जिससे सही प्रतिनिधि ही ग्राम पंचायतों में निर्वाचित होकर आ सकें।

7. सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र में क्या महत्त्व रखती है?

उत्तर - शासन की सभी प्रणालियों में सत्ता में भागीदारी की आवश्यकता महसूस की जाती है। वर्तमान लोकतांत्रिक युग में इसकी अनिवार्यता और बढ़ गई है। विशाल जनता जनार्दन की सत्ता में भागीदारी का तात्पर्य राज्य के मामले में अधिकाधिक रुचि लेना है। सत्ता में भागीदारी राजनीतिक व्यवस्था को दृढ़ता प्रदान करती है। इससे राजनीतिक व्यवस्था में स्थायित्व बढ़ जाता है। सत्ता में भागीदारी नहीं होने से क्रांति की संभावना बढ़ जाती है। सत्ता में भागीदारी एक प्रकार से जनसमर्थन की कुंजी है। यही कारण है कि सभी प्रकार की शासन प्रणालियों में सरकार के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने का प्रयास किया जाता है। देश की एकता और अखंडता के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि बहुसंख्यक समुदाय की इच्छा को शेष लोगों पर नहीं थोपा जाए। अतः, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का यह कर्तव्य होता है कि वह सत्ता के हित में अधिकाधिक जनता की सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करे।

स्पष्ट है कि सत्ता में भागीदारी की आवश्यकता दो महत्त्वपूर्ण कारणों से है-

(i) देश की एकता और अखंडता के लिए जिससे व्यवस्था में स्थायित्व बना रहे और

(ii) अधिक-से-अधिक लोगों तथा समूहों को शासन व्यवस्था से जोड़ने के लिए जिससे लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो सकें।

8. भाषा नीति क्या है ?

उत्तर - भारत विविधताओं वाला देश है। यहाँ धार्मिक, जातीय एवं क्षेत्रीय विविधताएँ तो हैं ही, भाषाई विविधताएँ भी वर्तमान हैं। यहाँ 22 भाषाएँ प्रमुखता से बोली जाती हैं जिन्हें भारत सरकार के द्वारा कार्यालयी भाषा के रूप में मान्यता दी गई है। इसके अलावा 114 भाषाएँ मान्यता प्राप्त करने की कतार में हैं।

विभिन्न भाषा-भाषी अपनी भाषाओं से जुड़े हैं। इन भाषाओं को वे अपनी पहचान का प्रतीक मानते हैं। यह सच है कि यहाँ हिंदी भाषा-भाषियों की संख्या सबसे अधिक 41.2 प्रतिशत है। परंतु, भारत के 28 में से 18 राज्य गैर-हिंदी भाषी राज्य हैं। हिंदी को 'राजभाषा' माना गया है। परंतु, इसे राष्ट्रभाषा के रूप में आजतक मान्यता नहीं मिली है। हिंदी के साथ-साथ अन्य 21 भाषाओं को भी मान्यता दी गई है। राज्य सरकारों को भी अपने-अपने राज्यों में अपनी भाषा के प्रयोग की स्वतंत्रता दी गई है। लोक सेवा

आयोग की परीक्षा में भी मान्यता प्राप्त भाषाओं के प्रयोग की अनुमति दी गई है। अँगरेजी का प्रयोग सरकारी काम-काज में बना हुआ है। देश के संघीय स्वरूप को बनाए रखने के लिए हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो सका है। इस तरह, भारत की भाषा नीति के अंतर्गत विभिन्न भाषाओं को मान्यता प्राप्त है तथा हिंदी राजभाषा है।

9. नगर निगम के मुख्य कार्यों का वर्णन करें।

उत्तर - नगर निगम के निम्नांकित मुख्य कार्य हैं।

(i) नगर निगम क्षेत्र में पेशाबखानों, शौचालयों, नालियों आदि का निर्माण एवं उनकी देखभाल, (ii) सफाई का प्रबंध, (iii) पीने के पानी का प्रबंध, (iv) पुलों, गलियों, उद्यानों का निर्माण एवं सफाई, (v) चिकित्सालयों का प्रबंध एवं छुआछूत वाली बीमारियों की रोकथाम, (vi) प्राथमिक विद्यालयों, पुस्तकालयों, अजायबघरों की स्थापना एवं व्यवस्था, (vii) कल्याण-केंद्रों, मातृ-केंद्रों, शिशु-केंद्रों, वृद्धाश्रमों की स्थापना एवं प्रबंध, (viii) खतरनाक व्यापार की रोकथाम, (ix) दुग्धशाला की स्थापना, (x) आग बुझाना, (xi) मनोरंजन का प्रबंध, (xii) जन्म-मृत्यु निबंधन, (xiii) जनगणना, (xiv) बाजारों का निर्माण, (xv) नगर बससेवा का प्रबंध, (xvi) कब्रगाहों एवं श्मशानों की देखभाल, (xvii) गृह उद्योगों एवं सरकारी भंडारों की स्थापना करना

10. भारतीय संघीय व्यवस्था में एकात्मक व्यवस्था के लक्षणों को स्पष्ट करें।

उत्तर - भारतीय संघीय व्यवस्था में एकात्मक व्यवस्था के निम्नलिखित लक्षण मौजूद हैं।

(i) यहाँ शक्तिशाली केंद्रीय सरकार की स्थापना की गई है।

(ii) संविधान में शासन के सभी विषयों को तीन सूचियों में विभक्त किया गया है- संघ सूची (इसमें 97 विषय हैं, जो संघ सरकार के अंतर्गत हैं), राज्य सूची (इसमें 66 विषय हैं, जो राज्य सरकार के अंतर्गत हैं) और समवर्ती सूची (इसमें 47 विषय हैं, जिनपर संघ सरकार की प्राथमिकता और प्रधानता स्वीकार की गई है)। अवशिष्ट विषयों का अधिकार भी संघ सरकार को ही दिया गया है।

(iii) यहाँ दोहरी नागरिकता नहीं है, बल्कि एक ही नागरिकता है।

(iv) सभी राज्यों के लिए एक ही संविधान है और राज्य इस संविधान में संशोधन या परिवर्तन नहीं कर सकते हैं।

(v) संपूर्ण देश के लिए एक प्रकार की न्यायिक व्यवस्था है।

(vi) संकटकाल में संविधान एकात्मक हो जाता है। जोशी ने ठीक ही कहा है, "भारतीय संविधान की रचना साधारण काल में संघात्मक रूप में तथा संकटकाल में एकात्मक रूप में काम करने के लिए की गई है।"

(vii) संघ सरकार शक्तिशाली बनाई गई है। वह राज्य की सरकारों पर पर्याप्त नियंत्रण रखती है। राज्यों के सीमा परिवर्तन और उनके नामों में हेर-फेर करने का अधिकार भी संसद को ही दिया गया है।

इससे स्पष्ट है कि भारतीय संविधान का ढाँचा संघात्मक है, लेकिन इसमें एकात्मक व्यवस्था के भी अनेक महत्त्वपूर्ण लक्षण मौजूद हैं।

11. संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची का संक्षेप में उल्लेख करें तथा प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दें।

उत्तर - भारत में संघात्मक शासन को मूर्तरूप देने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया गया है। इस उद्देश्य से तीन सूचियाँ बनाई गई हैं- संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97 विषय हैं जिनपर कानून बनाने का अधिकार संसद को है। विदेशी मामले और प्रतिरक्षा संघ सूची के दो महत्त्वपूर्ण विषय हैं। राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों को संघ सूची में रखा गया है। राज्य सूची के विषयों की संख्या 66 है। इन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार राज्य की विधायिका को दिया गया है। पुलिस और वाणिज्य राज्य सूची के दो महत्त्वपूर्ण विषय हैं। समवर्ती सूची के विषयों की संख्या 47 है। समवर्ती सूची पर संसद और राज्य की विधायिका दोनों को कानून बनाने का अधिकार है। परंतु, यदि एक ही विषय पर दोनों कानून बना दें, तो संसद द्वारा बने कानून को ही मान्यता दी जाती है। शिक्षा और वन समवर्ती सूची के विषय हैं। इस प्रकार, तीन सूचियाँ बनाकर सत्ता का विकेंद्रीकरण किया गया है। केंद्र एवं राज्य दोनों में से किसी को भी इन सूचियों में परिवर्तन करने तथा दूसरे के अधिकार-क्षेत्र का अतिक्रमण करने का अधिकार नहीं है। सत्ता के बँटवारे के इस प्रावधान में भी केंद्र

अधिक लाभदायक स्थिति में है। संसद को निम्नलिखित परिस्थितियों में राज्य सूची के विषयों पर भी कानून बनाने का अधिकार प्राप्त हो जाता है।

(i) यदि राज्यसभा दो-तिहाई बहुमत से यह प्रस्ताव पास कर दे कि राज्य सूची का अमुक विषय राष्ट्रीय महत्त्व का है।

(ii) यदि संकटकाल की घोषणा हो जाए

(iii) यदि दो या दो से अधिक राज्य इसके लिए प्रार्थना करें

12. ग्राम पंचायत के प्रमुख अंगों का वर्णन करें।

उत्तर - ग्राम पंचायत, पंचायती राज व्यवस्था की प्राथमिक इकाई है। इसके निम्नलिखित प्रमुख अंग हैं।

(i) ग्राम सभा - गाँव के सभी वयस्क नागरिक ग्राम सभा के सदस्य होते हैं। ग्राम सभा की बैठक समय-समय पर होती रहती है। परंतु, तीन महीने में एक बार बैठक अवश्य होनी चाहिए। यह विकास कार्यक्रम एवं बजट पर विचार करती है।

(ii) मुखिया - ग्राम पंचायत का प्रधान मुखिया होता है। यह प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होता है। ग्राम पंचायत की तरह इसका कार्यकाल पाँच वर्षों का होता है। यह ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत की बैठक बुलाता है तथा उसकी अध्यक्षता करता है।

(iii) उपमुखिया - ग्राम पंचायत के सभी चुने हुए सदस्य अपनी प्रथम बैठक में अपने में से एक उपमुखिया का चुनाव करते हैं। यह मुखिया की अनुपस्थिति में मुखिया के स्थान पर काम करता है।

(iv) पंचायत सचिव - यह सरकार द्वारा नियुक्त सरकारी कर्मचारी होता है। यह पंचायत कार्यालय के सचिव के रूप में काम करता है।

(v) ग्राम रक्षा दल - एक दलपति के नेतृत्त्व में गाँव के 18-30 वर्ष के युवकों की यह टीम गाँव में शांति-सुरक्षा बनाए रखने का काम करती है।

13. ग्राम पंचायत के कार्यों एवं शक्तियों का वर्णन करें।

उत्तर - बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के कार्यों एवं शक्तियों की एक लंबी सूची दी गई है। ग्राम पंचायत के प्रमुख कार्य एवं शक्तियाँ निम्नलिखित हैं।

(i) पंचायत क्षेत्र के विकास के लिए वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करना, सामुदायिक कार्यों में सहयोग करना, प्राकृतिक संकट में सहायता करना एवं आवश्यक आँकड़े रखना

(ii) कृषि, बागवानी, बंजर भूमि एवं चरागाह का विकास करना

(iii) पशुपालन के अंतर्गत पशु-नस्ल सुधार, पशुधन की वृद्धि, मत्स्यपालन, सूअरपालन, कुक्कुटपालन का प्रबंध

(iv) वनविकास, वृक्षारोपण, चारा विकास

(v) सार्वजनिक सेवा एवं सुविधा के अंतर्गत गृह-निर्माण, पेयजल की व्यवस्था, सड़क, नाली, पुलिया का निर्माण और सुरक्षा, सार्वजनिक स्थलों का विकास, शौचालयों, बाजार-मेले आदि का प्रबंध, ग्रामीण और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना

इनके अतिरिक्त (i) प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता, (ii) लोकस्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, (iii) सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्धावस्था पेंशन आदि कई कार्य ग्राम पंचायतों को दिए गए हैं।

2. सत्ता मे साझेदारी की कार्यप्रणाली

1. सत्ता में साझेदारी सही है क्योंकि -

(A) यह विविधता को अपने में समेट लेती है

(B) देश की एकता को कमजोर करती है

(C) फैसले लेने में अनावश्यक व्यवधान पैदा होता है

(D) विभिन्न समुदायों के बीच टकराव कम करती है।

Ans=A

2. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ है ?

(A) पेरिस

(B) लंदन

(C) ब्रुसेल्स

(D) रोम

Ans=C

3. गठबंधन सरकार की पकड़ प्रशासन पर होती है

(A) मजबूत

(B) ढीली

(C) अति मजबूत

(D) कठोर

Ans=B

4. सरकार के एक ही स्तर पर सत्ता विभाजन को कहा जाता है -

(A) क्षैतिज वितरण

(B) उर्ध्वाधर वितरण

(C) मौलिक वितरण

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

5. संघ राज्य की विशेषता नहीं है -

(A) लिखित संविधान

(B) शक्तियों का विभाजन

(C) इकहरी शासन-व्यवस्था

(D) सर्वोच्च न्यायपालिका

Ans=C

6. संघ सरकार का उदाहरण है -

(A) अमेरिका

(B) चीन

(C) ग्रेट ब्रिटेन

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

7. निम्नलिखित में से कौन-से देश का संविधान अलिखित संविधान है?

(A) भारत का

(B) पाकिस्तान का

(C) कनाडा का

(D) ब्रिटेन का

Ans=D

8. ब्रिटेन एक राज्य है-

(A) संघात्मक

(B) एकात्मक

(C) A और B दोनों

(D) अध्यक्षात्मक

Ans=B

9. निम्नलिखित देशों में किस देश में संघात्मक शासन व्यवस्था नहीं है?

(A) भारत

(B) फ्रांस

(C) स्विटजरलैंड

(D) बेल्जियम

Ans=B

10. भारत में संविधान सभा का गठन कब हुआ?

(A) 1946

(B) 1947

(C) 1948

(D) 1949

Ans=A

11. इनमें किस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त है?

(A) झारखण्ड

(B) पंजाब

(C) उत्तराखण्ड

(D) बिहार

Ans=C

12. अवशिष्ट अधिकार किसके पास होता है?

(A) केंद्र के पास

(B) राज्यों के पास

(C) नीति 'आयोग के पास

(D) कार्यपालिका के पास

Ans=A

13. समवर्ती सूची में रखा जाता है

(A) राज्य

(B) केंद्र एवं राज्य दोनों

(C) केंद्र

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=B

14. निम्नलिखित में से कौन समवर्ती सूची का विषय है?

(A) सड़क

(B) पुलिस

(C) अणु शक्ति

(D) शिक्षा

Ans=D

15. भारत में राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना कब हुई?

(A) 1953

(B) 1955

(C) 1956

(D) 1957

Ans=C

16. भारत की राष्ट्रीय पक्षी है-

(A) हंस

(B) मयूर

(C) तोता

(D) कबूतर

Ans=B

17. भारत में संघ एवं राज्यों के बीच अधिकारों का विभाजन कितनी सूचियों में हुआ है?

(A) एक

(B) चार

(C) तीन

(D) पाँच

Ans=C

18. भारत में संघ एवं राज्यों के बीच अधिकारों के विभाजन से संबंधित कौन-सी सूची है?

(A) संघ सूची

(B) राज्य सूची

(C) समवर्ती सूची

(D) इनमें सभी

Ans=D

19. भारत में किस प्रकार की शासन प्रणाली है?

(A) संघीय और अध्यक्षीय

(B) संघीय और संसदीय

(C) एकात्मक और अध्यक्षीय

(D) एकात्मक और संघीय

Ans=B

20. भारत में कितने राज्य हैं?

(A) 26

(B) 27

(C) 28

(D) 29

Ans=C

21. भारत में कितने केंद्रशासित राज्य हैं?

(A) 7

(B) 9

(C) 8

(D) 6

Ans=C

22. संविधान के अनुसार भारत है-

(A) संघात्मक राज्य

(B) राज्यों का संघ

(C) अर्द्धसंघात्मक राज्य

(D) इनमें कोई नहीं

Ans=B

23. निम्नलिखित में कौन संघीय शासन व्यवस्था का उद्देश्य नहीं है?

(A) राष्ट्रीय एकता

(B) अखण्डता

(C) सत्ता का विकेन्द्रीकरण

(D) सम्प्रदायिकता

Ans=D

24. भारत में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) राष्ट्रपति

(C) संसद

(D) उपराष्ट्रपति

Ans=B

25. भारतीय संविधान के संघ सूची में कुल कितने विषय रखे गए हैं ?

(A) 97

(B) 66

(C) 47

(D) 20

Ans=A

26. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ?

(A) 1969

(B) 1979

(C) 1989

(D) 1991

Ans=D

27. भारत में मतदाता होने के न्यूनतम आयु क्या है?

(A) 16 वर्ष

(B) 17 वर्ष

(C) 18 वर्ष

(D) 19 वर्ष

Ans=C

28. झारखंड राज्य का गठन कब हुआ?

(A) 1 नवंबर, 2000 को

(B) 9 नवंबर, 2000 को

(C) 15 नवंबर, 2000 को

(D) 15 नवंबर, 2001 को

Ans=C

29. निम्नलिखित में से कौन केन्द्र शासित प्रदेश है?

(A) उत्तराखंड

(B) छत्तीसगढ़

(C) चण्डीगढ़

(D) केरल

Ans=C

30. इसमें कौन राज्य की विशेषता नहीं है?

(A) जनसंख्या

(B) सरकार

(C) सम्प्रभुता

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=C

31. भारत में संविधान के आठवीं सूची के अनुसार कितनी भाषा को मान्यता प्राप्त है?

(A) 16

(B) 20

(C) 22

(D) 25

Ans=C

32. भारतीय संविधान के किस अनुसूची में भाषाओं को रखा गया है?

(A) पाँचवीं

(B) पहली

(C) सातवीं

(D) आठवीं

Ans=D

33. भारतीय संविधान में किस शब्द का उल्लेख नहीं है?

(A) हम भारत के लोग

(B) फेडेरेशन

(C) मौलिक अधिकार

(D) मौलिक कर्तव्य

Ans=B

34. भारतीय संविधान में कितनी भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा प्राप्त है?

(A) 10

(B) 22

(C) 25

(D) 100 से अधिक

Ans=B

35. भारत में 40 प्रतिशत से अधिक लोग कौन-सी भाषा बोलते हैं?

(A) बंगला

(B) हिन्दी

(C) मराठी

(D) उर्दू

Ans=B

36. पंचायती राज व्यवस्था सर्वप्रथम किस राज्य में लागू किया गया?

(A) राजस्थान

(B) बिहार

(C) उत्तराखंड

(D) मध्यप्रदेश

Ans=A

37. निम्न में से कौन पंचायती राज व्यवस्था का दूसरा स्तर है?

(A) ग्राम पंचायत

(B) जिला पंचायत

(C) पंचायत समिति

(D) नगर पालिका

Ans=C

38. ग्राम पंचायत की अध्यक्षता कौन करता है?

(A) प्रमुख

(B) मुखिया

(C) पंच

(D) सरपंच

Ans=A

39. बिहार में पंचायती राज संस्थाएँ हैं-

(A) एक स्तरीय

(B) दो स्तरीय

(C) तीन स्तरीय

(D) चार स्तरीय

Ans=C

40. बिहार पंचायत राज अधिनियम के अनुसार, ग्राम पंचायत की स्थापना के लिए आबादी का शर्त क्या है?

(A) 5,000

(B) 7,000

(C) 1,000

(D) 1,0000

Ans=B

41. पंचायती राज की शुरुआत कब हुई थी?

(A) 1952 ई० में

(B) 1949 ई० में

(C) 1955 ई० में

(D) 1956 ई० में

Ans=A

42. पंचायत सचिव किस संस्था का सचिव होता है?

(A) पंचायत समिति

(B) नगर पंचायत

(C) ग्राम पंचायत

(D) ग्राम कचहरी

Ans=C

43. ग्राम पंचायत का बजट कौन पास करता है?

(A) मुखिया

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद

(D) ग्रामसभा

Ans=D

44. जिला परिषद पंचायती राज व्यवस्था का कौन-सा स्तर है?

(A) पहला

(B) दूसरा

(C) तीसरा

(D) चौथा

Ans=C

45. सरपंच अधिकतम कितने रुपयों तक के मामलों की सुनवाई कर सकता है?

(A) 1 लाख रुपये

(B) 50,000 रुपये

(C) 10 हजार रुपये

(D) 20 हजार रुपये

Ans=C

46. पंचायती राज व्यवस्था किस प्रधानमंत्री के शासन काल में हुआ था?

(A) इंदिरा गाँधी

(B) पं० जवाहरलाल नेहरू

(C) लाल बहादुर शास्त्री

(D) इनमें से कोई नही

Ans=B

47. बिहार पंचायती राज अधिनियम कब बना?

(A) 2004 में

(B) 2005 में

(C) 2006 में

(D) 2007 में

Ans=C

48. नगर पंचायत में सदस्यों की संख्या होती है-

(A) 10 से 25 तक

(B) 20 से 25 तक

(C) 25 से 30 तक

(D) 30 से 35 तक

Ans=A

49. पंचायत समिति का पदेन सचिव कौन होता है ?

(A) मुखिया

(B) प्रमुख

(C) प्रखण्ड विकास पदाधिकारी

(D) सरपंच

Ans=C

50. बिहार में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं?

(A) 50%

(B) 25%

(C) 33%

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

51. न्यायमित्र निम्नलिखित में किस संस्था का सेवक है?

(A) ग्राम कचहरी

(B) ग्राम सभा

(C) पंचायत समिति

(D) नगर पंचायत

Ans=A

52. भारत में कहाँ महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था है?

(A) लोकसभा

(B) विधानसभा

(C) पंचायती राज व्यवस्था

(D) मंत्रिमंडल

Ans=C

53. ग्राम कचहरी का प्रधान कौन होता है?

(A) पंच

(B) सरपंच

(C) प्रमुख

(D) न्यायमित्र

Ans=B

54. राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कब मनाया जाता है?

(A) 24 अप्रैल

(B) 20 अप्रैल

(C) 15 अप्रैल

(D) 17 अप्रैल

Ans=A

55. जिला परिषद का प्रधान कौन होता है?

(A) अध्यक्ष

(B) प्रमुख

(C) मुखिया

D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

56. भारत की किस संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान है?

(A) ग्राम पंचायत

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद

(D) इनमें सभी

Ans=D

57. कौन से संशोधन अधिनियम द्वारा सरकार का तीसरा स्तर बनाया गया था?

(A) 71वाँ संशोधन

(B) 73वाँ संशोधन

(C) 59वाँ संशोधन

(D) 64वाँ संशोधन

Ans=B

58. पटना नगर निगम की स्थापना कब हुई थी?

(A) 1950 ई० में

(B) 1951 ई० में

(C) 1952 ई० में

(D) 1949 ई० में

Ans=C

59. पटना नगर निगम में कितने वार्ड हैं?

(A) 72

(B) 75

(C) 49

(D) 45

Ans=B

60. जिला परिषद का कार्यकाल होता है-

(A) दो वर्ष

(B) दस वर्ष

(C) पाँच वर्ष

(D) एक वर्ष

Ans=C

61. निम्नलिखित में स्थानीय स्वशासन की ग्रामीण संस्था कौन है?

(A) नगर निगम

(B) नगर परिषद

(C) नगर पंचायत

(D) जिला परिषद

Ans=D

62. बिहार में कितनी आबादी पर पंचायत समिति का एक सदस्य चुना जाता है?

(A) 500

(B) 700

(C) 5,000

(D) 7,500

Ans=C

63. नगर निगम में नगर आयुक्तों की नियुक्ति कौन करता है?

(A) राज्य सरकार

(B) केन्द्र सरकार

(C) महापौर

(D) चुनाव के द्वारा

Ans=A

64. बिहार में नगर निगम की स्थापना होती है-

(A) दो लाख पर

(B) तीन लाख पर

(C) चार लाख पर

(D) पाँच लाख पर

Ans=B

65. कौटिल्य की पुस्तक है-

(A) धर्मशास्त्र

(B) नीतिशास्त्र

(C) अर्थशास्त्र

(D) इनमें कोई नहीं

Ans=C

66. प्रमुख का निर्वाचन कौन करता है?

(A) ग्राम सभा

(B) पंचायत समिति

(C) नगर पंचायत

(D) ग्राम कचहरी

Ans=B

67. बिहार में कुल नगर निगम की संख्या है।

(A) पाँच

(B) आठ

(C) सात

(D) बारह

Ans=D

68. किन धार्मिक पुस्तक/ पुस्तकों में स्थानीय स्वशासन की चर्चा है?

(A) महाभारत

(B) मनुस्मृति

(C) दोनों में

(D) किसी में भी नहीं

Ans=C

69. नगरपालिका के कार्य-क्षेत्र की चर्चा संविधान के किस अनुसूची में है?

(A) पाँचवीं

(B) आठवीं

(C) सातवीं

(D) बारहवीं

Ans=D

70. भारत में राष्ट्रीय स्तर पर पंचायती राज की स्थापना कब हुई?

(A) 1959

(B) 1969

(C) 1979

(D) 1989

Ans=A

71. बिहार में पंचायती राज का स्वरूप है-

(A) ग्राम पंचायत

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद्

(D) इनमें से सभी

Ans=D

72. निम्नलिखित में कौन पंचायत समिति का अंग है?

(A) पंचायत सेवक

(B) ग्राम सभा

(C) नगर पंचायत

(D) प्रमुख

Ans=D

73. पंचायत समिति का प्रधान कौन होता है?

(A) मुखिया

(B) सरपंच

(C) प्रमुख

(D) पंचायत सेवक

Ans=C

74. कितनी जनसंख्या वाले शहरों में नगर परिषद् का गठन किया जाता है?

(A) 20 हजार से अधिक

(B) 30 हजार से अधिक

(C) 40 हजार से अधिक

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=C

75. ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की इकाई इनमें कौन नहीं है?

(A) नगर परिषद्

(B) पंचायत समिति

(C) ग्राम पंचायत

(D) जिला परिषद्

Ans=A

76. भारत में सर्वप्रथम नगर निगम की स्थापना की गई-

(A) चेन्नई

(B) मुंबई

(C) कोलकाता

(D) दिल्ली

Ans=A

77. सत्ता का विकेन्द्रीकरण कब हुआ है?

(A) 1990 ई०

(B) 1991 ई०

(C) 1992 ई०

(D) 1993 ई०

Ans=C

78. किस विदेशी यात्री ने पाटलिपुत्र के नगरपालिका संगठन के विषय में लिखा है?

(A) इब्नबतूता

(B) मेगास्थनीज

(C) फाह्यान

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=B

79. गाँव की सुरक्षा की किस पर होती है? जिम्मेवारी निम्नलिखित में से किस पर होती है ?

(A) सरपंच पर

(B) मुखिया पर

(C) वार्ड सदस्य पर

(D) दलपति पर

Ans=D

80. लिच्छवी बिहार के किस जिले में है?

(A) पटना

(B) नालंदा

(C) वैशाली

(D) भागलपुर

Ans=C

81. बिहार में पंचायती राज व्यवस्था का कार्यकाल है

(A) 4 वर्ष

(B) 5 वर्ष

(C) 6 वर्ष

(D) 7 वर्ष

Ans=B

82. पटना नगर निगम के प्रधान को क्या कहा जाता है?

(A) महापौर

(B) नगर प्रधान

(C) नगर सचिव

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

83. बिहार दिवस कब मनाया जाता है?

(A) 20 जनवरी

(B) 22 मार्च

(C) 23 जून

(D) 25 अगस्त

Ans=B

84. बलवंत राय मेहता समिति का संबंध इनमें किससे है?

(A) केन्द्र-राज्य संबंध

(B) पंचायती राज व्यवस्था

(C) वित्तीय व्यवस्था

(D) संघीय व्यवस्था

Ans=B

85. भारत में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था निम्नांकित में से किस संस्था में की गई है?

(A) लोक सभा

(B) राज्य सभा

(C) पंचायती राज व्यवस्था

(D) राज्य विधान सभा

Ans=C

86. ग्राम पंचायत का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?

(A) 4 वर्ष

(B) 5 वर्ष

(C) 6 वर्ष

(D) 2 वर्ष

Ans=B

87. बिहार में कितने जिले हैं ?

(A) 32

(B) 34

(C) 36

(D) 38

Ans=D

88. पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा किस संविधान संशोधन से प्राप्त हुआ?

(A) 72वाँ

(B) 73वाँ

(C) 74वाँ

(D) 75वाँ

Ans=B

89. इंडिका पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(A) मेगास्थनीज

(B) कमल किशोर शर्मा

(C) एस०एम०सिंह

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

90. स्थानीय शासन की शुरुआत किस राज्य से हुई ?

(A) बिहार

(B) गुजरात

(C) राजस्थान

(D) उत्तर प्रदेश

Ans=C

91. जिला परिषद् का एक सदस्य चुना जाता है ?

(A) 1 लाख पर

(B) 75 हजार पर

(C) 50 हजार पर

(D) 25 हजार पर

Ans=C

92. निम्नलिखित में से किस वर्ग में लोगों को पंचायती राज व्यवस्था में आरक्षण नहीं है?

(A) मुस्लिम वर्ग

(B) अनुसूचित जाति

(C) अनुसूचित जनजाति

(D) अत्यंत पिछड़ा वर्ग

Ans=A

93. पंचायत के चुनाव कौन करवाता है ?

(A) केंद्र सरकार

(B) जिला परिषद

(C) राज्य चुनाव आयोग

(D) राज्य सरकार

Ans=C

94. किस बात से स्पष्ट होता है की बिहार मे लोकतंत्र की जड़े गहरी हैं?

(A) साक्षरता की दर 61.8 प्रतिशत

(B) वैशाली का लिच्छवी गणतंत्र

(C) नालंदा का प्राचीन विश्वविद्यालय

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=B